MPS

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष)

जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्र के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
प्रथम वर्ष
अनिवार्य पाठ्यक्रम

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अनिवार्य पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक भाग के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण : हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2020 सत्र के लिए	31 मार्च 2021	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2021 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

एमपीएस–001 : राजनीतिक सिद्धान्त
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-001
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2020-2021
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त पर एक लेख लिखें।

2. जॉन रॉल्स के न्याय सिद्धान्त की चर्चा करें।

3. उदारवादी चिंतन में दायित्व और अधिकारों के अंतःसंबंध का परीक्षण करें।

4. नागरिकता के मार्क्सवादी विचार की चर्चा करें।

5. संप्रभुता के सिद्धान्त के क्रमतर विकास को रेखांकित करें।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) फासीवादी विश्व दृष्टि
   ख) पितृसत्ता

7. क) अहिंसा की तकनीक
   ख) कड़ी का सबसे कमजोर जोड़ (वी. आई. लेनिन)

8. क) समुदायवाद
   ख) वैश्वीकरण विश्व में राजनीतिक सिद्धान्त

9. क) क्लासिकी उदारवाद की विचारधारा
   ख) उदारवादी लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य

10. क) व्यक्तिवाद
    ख) अतिरिक्त मूल्य

एमपीएस–002 : अन्तर्राष्ट्रीय संबंधः सिद्धांत एवं समस्याएँ
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-002
सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/टीएमए/2020-2021
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर यथार्थवादी सिद्धान्त की मूल अवधारणाओं की पहचान कीजिए। व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का पारम्परिक यथार्थवादी दृष्टिकोण संरचनात्मक यथार्थवादी दृष्टिकोण से भिन्न है।

2. तीसरी दुनिया में राज्य की प्रकृति और विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. ''उत्तर लगातार एक भयावह उपभोक्ता बना हुआ है और दक्षिण की मांग और दुःख जारी है''। वैश्विक पर्यावरणीय क्षरण के संदर्भ में इस कथन की जांच कीजिए।

4. नारीवाद शक्ति को कैसे परिभाषित करता है? अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में नारीवाद के मूल विचारों की व्याख्या कीजिए।

5. किस प्रकार से क्षेत्रीयता शांति और स्थिरता के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। आसियान की भूमिका के संदर्भ में अपना आंकलन दीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) वैश्वीकरण और वैश्विकता
   ख) लोकतांत्रिक शांति सिद्धान्त

7. क) केन्द्र और परिधि का सिद्धान्त
   ख) विश्व व्यापार संगठन और विकासशील देश

8. क) परमाणु निःशस्त्रीकरण का सिद्धान्त
   ख) अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के लिए मार्क्सवादी दृष्टिकोण

9. क) तुलनात्मक लाभ का रिकार्डो का सिद्धान्त
   ख) 'बंधी हुई' और 'खुली' सहायता

10. क) 'स्वयं–सहायता' प्रणाली
    ख) दक्षिण–दक्षिण सहयोग

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2020-2021
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार प्रजातंत्र तथा विकास एक दूसरे से संबंधित हैं।

2. पुलिस, सेना तथा नौकरशाही के मध्य संबंधों की प्रकृति की चर्चा कीजिए।

3. आंतरिक प्रवासन के क्या कारण हैं? व्याख्या कीजिए।

4. भारत में संघवाद की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए।

5. संविधान के 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के मुख्य प्रावधानों की तुलना कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) सतत विकास
   ख) जातीय विषमताएं

7. क) मीडिया और प्रजातंत्र
   ख) नृजातीय राजनीति

8. क) आर्थिक सुधार तथा मजदूर वर्ग
   ख) क्षेत्रवाद का आधार

9. क) जेंडर तथा न्याय
   ख) ठोस प्रजातंत्र (Substantive Democracy)

10. क) भारत में भाषा तथा राजनीति
    ख) भारतीय प्रजातंत्र में नागरिक समाज की भूमिका

एमपीएस–004 : तुलनात्मक राजनीति : मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-004
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2020-2021
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राजनीति के अध्ययन में तुलनात्मक पद्धति के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

2. एक राज्य का गठन करने वाले मूल तत्व क्या हैं? राज्य की उत्पत्ति के संदर्भ में विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए।

3. राष्ट्र क्या है? बेनडिक्ट एंडरसन के राष्ट्र एक 'काल्पनिक' राजनीतिक समुदाय के रूप में विचार की व्याख्या कीजिए।

4. किस प्रकार से बहुराष्ट्रीय निगमों ने सरकारों की सम्प्रभुता को धूमिल किया है?

5. लोकतंत्र का अस्तित्व होने के लिए नागरिक समाज के अस्तित्व का होना प्राथमिक आवश्यक शर्त है। टिप्पणी कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संरचनात्मक–कार्यात्मक दृष्टिकोण
   ख) निर्भरता और अविकसितता

7. क) नागरिक समाज पर हेगेल के विचार
   ख) आत्म–निर्णयन और अलगाव

8. क) राज्य–निर्माण में संवैधानिकता की प्रासांगिकता
   ख) राज्य का गांधीवादी परिप्रेक्ष्य

9. क) राज्यविहीन राष्ट्र
   ख) तुलनात्मक राजनीति में प्रणाली दृष्टिकोण

10. क) राज्य पर नारीवादी दृष्टिकोण
    ख) क्रियोल राष्ट्रवाद